अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष–2018)

प्रथम वर्ष –द्वितीय प्रश्न पत्र

जैन तत्व विद्या प्रथम खंड–50

समय:3 घंटा दिनांक–30.08.2018

पूर्णांक–100

प्र01 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें। 15

(क) प्रत्याख्यान काया किसके समान है?

(ख) रति–अरति से क्या तात्पर्य है?

(ग) सात कर्मो का बंध किस–किस गुणस्थानों में होता है?

(घ) अचक्षु दर्शन किसे कहते है?

(ड) पांव पटकना, चुटकी बजाना आदि शब्द का कौन सा प्रकार है?

(च) चिकित्सा से क्या तात्पर्य है,

(छ) शुक्ल ध्यान का क्या अर्थ है?

(ज) श्रमण धर्म् के प्रकार क्षांति का क्या तात्पर्य है?

(झ) कौन से दो समुद्र समय क्षेत्र की सीमा में है?

(ञ) वस्तु बोध की चार दृष्टियों में व्यक्ति या मूल वस्तु को क्या कहते है?

(ढ) स्वाद्वाद का क्या अर्थ है?

(ठ) नय किसे कहते हैं?

(ण) पर्याय किसे कहते हैं?

(प) उपधान का तात्पर्य क्या हैं?

(फ) चौदह गुणस्थानों में किस गुणस्थान के दो नाम हैं? दोनों नाम लिखें।

प्र02 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) सम्यक्त्व के दूषणों में शंका की व्याख्या करें।

(ख) सांव्यवहरिक प्रत्यक्ष के अंतर्गत अवग्रह व ईहा की व्याख्या करें।

(ग) रोम व कवल आहार को व्याख्यापित करें।

(घ) वीतराग के दो प्रकारों का वर्णन करें।

(ड) जीव के तीन प्रकारों में से संज्ञी, असंज्ञी, नो संज्ञी–नो असंज्ञी के बारे में बताऐं।

प्र03 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 20

(क) नास्ति किसे कहते हैं? उसके प्रकारों का विस्तृत वर्णन करें।

(ख) व्यवहार शब्द की व्याख्या करते हुए उसके भेदों का विस्तृत वर्णन करें।

(ग) दर्शन के कितने आचार है, सविस्तार विवेचन करें।

(घ) संवर को परिभाषित करते हुए, उसके प्रकारों का विस्तृत उल्लेख करें।

तत्त्व– चर्चा–30

प्र04 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 10

(क) धूप छांह छाह में कौन? नौ में कौन?

Scanned by CamScanner

(ख) अरिहंत भगवान संज्ञी या असंज्ञी?
(ग) साधु तपस्या करें वह व्रत में या अव्रत में?
(घ) पांच समिति छह में कौन? नौ में कौन?
(ड) पुण्य और पुण्यवान एक या दो?
(च) दया छह में कौन? नौ में कौन?
(छ) जीवास्तिकाय सावद्य या निरवद्य?
(ज) काल आदि अंतिम तीन द्रव्य एक या अनेक?
(झ) जीवास्तिकाय चोर या साहूकार?
(ञ) पुण्य धर्म या अधर्म ?
(ट) अठारह पापों के सेवन का त्याग करना छह में कौन? नौ में कौन?
(ठ) पंचेन्द्रिय संज्ञी या असंज्ञी?

प्र05 कोई चार चर्चा लिखें– 20
(क) पुण्य धर्म आदि एक या दो?
(ख) छह द्रव्यों पर छह में नौ की चर्चा।
(ग) नौ तत्व पर जीव अजीव।
(घ) नौ तत्व पर छह द्रव्य नौ तत्व।
(ड) कर्म पर छह द्रव्य, नौ तत्व।
(च) सामायिक पर चर्चा।

गीतिका–20

प्राणी समकित....................दृढ़ समकित घर.................

प्र06 कोई चार पद्य अर्थ सहित लिखें। 16
(क) दानशील ....गरज लिगार
(ख) कामदेव...................दृढ़ जान।
(ग) बंध मोख ....भरमाई रे।
(घ) सावद करणी ....नांई रे।
(ड) पाप धर्म ....लड़ाई रे।
(च) सगला गिरी ....गामोगाम।

प्र07 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 4
(क) किसकी पदवी बहुत बड़ी मानी गई है? जिसे सब जीव प्राप्त नहीं कर सकते।
(ख) भगवान ने सूत्र में किसको दुर्लभ बताया है?
(ग) देवों द्वारा विचलित करने पर भी कौन से श्रावक दृढ़ रहे?
(घ) जो जीव किन–किन चीजों का मिश्रण नहीं करता है, उसके फलस्वरूप उसका भ्रम या मिथात्व मिट जाता है?
(ड) अहंकारवश जो व्यर्थ की बकवास करता है अपने आप को जो धर्म का ठेकेदार मानता है, उसे किस चीज का ज्ञान नहीं है?

Scanned by CamScanner

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्वज्ञान–(वर्ष–2018)

द्वितीय वर्ष–द्वितीय प्रश्न पत्र

नव–पदार्थ (जीव–अजीव)–40

• समय:3 घंटा दिनांक–30.08.2018

पूर्णांक–100

प्र01 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें– 10

(जीव– किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(क) समकित का क्या अर्थ है?

(ख) जीव को जंतु क्यों कहा गया है?

(ग) जीव का नाम पुद्गल क्यों है?

(घ) रंगण का क्या तात्पर्य है?

(ड) जीव को वेद क्यों कहा गया हैं?

(अजीव– किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें)

(च) धर्म अधर्म व आकाश की प्रदेश संख्या व माप का क्या आधार है?

(छ) काल का माप किस आधार से किया गया है?

(ज) षट द्रव्यों में पांच को अस्तिकाय कहा गया, मगर काल को नहीं, ऐसा क्यों?

प्र02 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें– 10

(जीव– किसी एक प्रश्न का उत्तर दें)

(क) मानव का क्या अर्थ है? <u>अथवा</u> परिणामी नित्य से क्या तात्पर्य है?

(अजीव– किसी एक प्रश्न का उत्तर दें)

(ख) काल द्रव्य शाश्वत अशाश्वत कैसे है? <u>अथवा</u>

आकाश को गमन व स्थिति का कारण क्यों नहीं माना गया?

प्र03 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 20

(क) जीव– भाव किसे कहते हैं? भाव के कितने प्रकार है? <u>अथवा</u>

सिद्व करें कि आत्मा– शरीर और इन्द्रिय से भिन्न एक स्वतन्त्र द्रव्य है।

(ख) अजीव–धर्म, अधर्म और आकाश के लक्षण व पर्याय संख्या लिखें। <u>अथवा</u>

पुद्गल का क्या स्वरूप है?

अवबोध– जीव से संवर–30

प्र04 किन्हीं सात प्रश्नों के एक शब्द या एक लाईन में उत्तर लिखें– 7

(क) पाप कर्म में चार स्पर्श कौन से है?

(ख) रति –अरति किसे कहते हैं?

(ग) अप्रमाद संवर कौन से गुणस्थान से प्रांरभ होता है?

(घ) संवर की स्थिति कितनी है?

(ड) लोक में जीव ज्यादा हैं या अजीव है?

(च) वर्गणा में चतु:स्पर्शी कितनी हैं और अष्टस्पर्शी कितनी?

(छ) क्या लोकाकाश का कोई भाग जीव रहित है?

Scanned by CamScanner

(ज) पाप की अवान्तर प्रकृतियां कितनी हैं?

(झ) अव्रत आश्रव कितने गुणस्थान तक है?

प्र05 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) पाप की जघन्य उत्कृष्ट स्थिति क्या है? व पाप का बंध कितने गुणस्थान तक होता है?

(ख) असंयमी को देने में पुण्य क्यों नहीं ? जबकि संयमी को अन्न आदि देने से पुण्य का बंध क्यों?

(ग) क्या ऐसे भी पुदगल है, जिन्हें देखकर जीव होने का भ्रम हो जाता है?

प्र06 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 15

(क) पुण्य बंध की इच्छा करनी चाहिए या नहीं, मोक्ष प्राप्ति में पुण्य साधक तत्त्व है या बाधक?

(ख) क्या पाप का बंध स्वतंत्र माना जा सकता है? तथा मिथ्यादर्शम को शल्य क्यों कहा गया है?

(ग) क्या सभी सम्यक्त्वी मनुष्यों के संवर होता हैं? व संवर औदारिक शरीर में ही होता है या अन्य शरीर में भी?

अमृत कलश भाग–3 (छठा, सातवां चषक– तप को छोड़कर)–30

प्र07 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) अंग अपांग किसे कहते हैं?

(ख) अतिशय शब्द से क्या तात्पर्य है?

(ग) साधु के कितने भव माने गए हैं?

(घ) धर्म मंगल किस दृष्टि से हैं?

(ड) अभवी साधुवेश क्यों स्वीकार करता हैं?

(च) तिरछे लोक की चौड़ाई कितनी है?

(छ) अधिगम सम्यक्त्व से क्या तात्पर्य है?

प्र08 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दो या तीन लाईन में लिखिए– 10

(क) क्या केवल ज्ञान प्राप्त करने वाले सभी तीर्थकर कहलाते हैं?

(ख) ज्ञान, दर्शन चारित्र– तीनों में प्रधानता किसको दी गई है?

(ग) सम्यक्त्व प्राप्ति के बाद जीव संसार में कब तक परिभ्रमण कर सकता है।

(घ) सामायिक व संवर में क्या अंतर है?

(ड) सामायिक का अधिकारी कौन हो सकता है?

(च) क्या सभी तीर्थंकरों के युग में प्रतिक्रमण दोनों समय किया जाता था?

(छ) तीर्थंकर केवल सिद्धों को ही नमस्कार क्यों करते हैं?

प्र09 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 15

(क) वीतराग की शरण क्यों स्वीकार की जाती है, जबकि वे हमारा भला बुरा कुछ भी नहीं करते?

(ख) अव्यवहार राशि से क्या तात्पर्य है?

(ग) श्रमणोपासक की धार्मिक दिनचर्या कैसी होनी चाहिए?

(घ) सिद्धों की उपासना के कौन–कौन से रूप हो सकते हैं?

(ड) सामायिक में लगने वाले मन के दोष कौन–कौन से हो सकते हैं? विस्तार से समझाएं।

Scanned by CamScanner

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल
तत्व–ज्ञान (वर्ष–2018)
तृतीयवर्षः द्वितीय प्रश्न पत्र
नव–पदार्थ पुण्य–पाप –50

समयः3 घंटा

दिनांक–30.08.2018
पूर्णांक–100

प्र01 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें– 16
(पुण्य – किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर दें।)

(क) पराघात शुभ नाम कर्म किसे कहते हैं?
(ख) द्रव्य पुण्य की परिभाषा लिखें।
(ग) तीर्थकर गोत्र बंध हेतु में क्षण लव संवेग का क्या तात्पर्य है?
(घ) भावी कल्याणकारी कर्म के दस स्थानों में योगवाहिता का क्या अर्थ है?
(ङ) काम भोग का क्या अर्थ है?
(च) शुभ विहायोगति नाम से आप क्या समझते है?
(छ) दस अंग वाली भोग सामग्री कौन सी है?

(पाप–कोई तीन प्रश्न करें)

(ज) किस अशुभ नाम कर्म के उदय से जीव का वचन अप्रामाणिक एवं अप्रिय होता है?
(झ) सर्व ज्ञानावरणीय कर्म की परिभाषा करें।
(ञ) ठाणं सूत्र में वेदना के दो प्रकार में आभ्युपगमिकी का तात्पर्य क्या है?
(ट) संघात नाम कर्म की परिभाषा करें।

प्र02 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) पुण्य– सिद्व करें कि पुण्य कर्म पुदगल के विशिष्ट ~~परिणाम~~ प्राप्त स्कन्ध हैं?

अथवा

निदान रहित किया का क्या फल विपाक है?

(ख) पाप– सिद्ध करें कि पाप स्वयंकृत है? अथवा मोहनीय कर्म के स्वभाव व उसके भेदों का उल्लेख करें।

प्र03 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार पूर्वक लिखें– 24

(क) पुण्य– निदान कर्म का क्या फल होता है? अथवा आर्चाय भिक्षु ने पुण्य की वाच्छा करने को पाप का बंध क्यों कहा है?
(ख) पाप– अंतराय कर्म पर विस्तार से टिप्पणी लिखें– अथवा पुण्य और पाप के विकल्प क्या–क्या हैं?

अवबोध– निर्जरा से देवगति–30

प्र04 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक–दो वाक्य में दें– 6

(क) अनुभागबंध किसे कहते हैं?
(ख) वेदनीय समुद्घात क्या है?
(ग) समुद्र में एक साथ कितने जीव सिद्ध हो सकते हैं।

Scanned by CamScanner

(घ) बंध से क्या नये कर्मों का भी बंध होता है?
(ड) कार्मण शरीर और बंध एक हैं या दो ?
(च) क्या केवली समुद्घात में मोक्ष हो सकता है?
(छ) क्या अकर्म भूमि से सिद्ध हो सकते है?
(ज) प्रत्येक बुद्ध सिद्ध किसे कहते है।

प्र05 किन्हीं छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 12
(क) किस संहनन वाला कौन से देवलोक में उत्पन्न होता है?
(ख) क्या मिथ्यात्वी के सकाम निर्जरा हो सकती हैं?
(ग) निर्जरा से प्राप्त बत्तीस आत्मगुणों (क्षयोपशम) में कितने उजला लेखे निरवद्य हैं, और कितने करणी लेखे?
(घ) निर्जरा और पुण्य की क्रिया एक है या दो?
(ड) सिद्ध क्या करते हैं?
(च) क्या बंध आत्मा की स्वतंत्र क्रिया है?
(छ) क्या सभी केवलियों के केवली समुद्रघात होता है?
(ज) सिद्ध शिला पर जब सिद्ध नहीं रहते, फिर इसे सिद्ध शिला क्यों कहते हैं?

प्र06 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित दें– 12
(क) निर्जरा व मोक्ष में क्या अंतर है? व निर्जरा तो आठों कर्मो की होती है, फिर वर्णन केवल चार घातिक कर्मो की निर्जरा से प्राप्त गुणों का ही क्यों आता है?
(ख) केवली समुद्घात का कम क्या है?
(ग) एक समय में एक साथ कितने सिद्ध हो सकते है? क्या महाविदेह क्षेत्र में सिद्ध होने में अर का प्रभाव रहता है?
(घ) क्या क्षायक सम्यक्त्वी देवता के तीर्थकर गोत्र का बंध हो सकता है, तथा क्या देव योनि में नींद व असात वेदनीय का भी विपाकोदय होता है?

गीतिका (दस दान, अठारह पाप)–20

प्र07 कोई चार पद्य अर्थ सहित लिखें– 16
(क) इम सांभल............................भाष ए।
(ख) इणरो ....घालियो ए।
(ग) ग्रह करड़ा ....भणी ए।
(घ) वले बरस.....................सोय ए।
(ड) दाता ने ....उतारसी ए।
(च) आय मिले........................... कही ए।

प्र08 किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें। 4
(क) दान देते समय कौन सी तीन चीजें शुद्ध होने से बड़ा लाभ मिलता है?
(ख) व्रत, अव्रत का पृथककरण किन–किन आगमों के आधार पर किया गया है?
(ग) गर्व दान किसे कहते है तथा यह दान क्यों दिया जाता है?
(घ) कारूण्य दान से आप क्या समझते है?
(ड) भगवान की आज्ञा व आज्ञा के बाहर कौन–कौन से दान हैं?
(च) भगवान महावीर के मुख्य श्रावक कितने थे? किन्हीं चार के नाम बताऐं।

Scanned by CamScanner

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2018) | दिनांक 30.08.2018

चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्नपत्र | पूर्णांक – 100

नव पदार्थ : आस्त्रव, संवर – 50

प्र.1 किन्ही आठ प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें –

(आस्त्रव : किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें) 16

(क) दशवैकालिक सूत्र के दसवें अध्ययन में भिक्षु किसे कहा गया है?

(ख) योग के तीन भेदों में वचनयोग को परिभाषित करें।

(ग) भाष्य के अनुसार असत् के तीन अर्थ कौन से हैं? किसी एक अर्थ की परिभाषा लिखें।

(घ) पच्चक्खाणेणं आसवदाराइं निरूभइ का क्या अर्थ है?

(ङ) सम्यक्त्व क्रिया आश्रव का क्या तात्पर्य हैं?

(च) प्रेक्षा असंयम किसे कहते हैं? (छ) अध्यवसाय किसे कहते हैं?

(ज) आ. भिक्षु ने आश्रवद्वारों को संपुष्ट करने के लिए कौन कौन से आगमों का आधार ढाल नं.–1 में लिया।

(संवर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(झ) नैषेधिकी परीषह किसे कहते हैं? (ञ) धर्म अनुप्रेक्षा से आप क्या समभते हैं?

(ट) उत्तम शौच से आप क्या समभते हैं?

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें – 10

(क) आश्रव – क्या सावद्य योगों से पुण्य लगता हैं? अथवा आचार्य भिक्षु ने योग को जीव किस प्रकार सिद्ध किया हैं?

(ख) संवर – क्षायोपशमिक, औपशमिक और क्षायिक चारित्र की तुलना करें? अथवा क्या योग को छोड़कर शेष उन्नीस आश्रवों को जीव जब इच्छा हो तब छोड़ सकता हैं?

प्र.3 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखिए – 24

(क) आश्रव–सिद्ध करें कि कर्म और आश्रव भिन्न–भिन्न हैं? अथवा शुभ योग ही संवर है तथा शुभ योग ही सामायिक आदि पांचों चारित्र है। इस संदर्भ में आचार्य भिक्षु के मत को स्पष्ट करें।

(ख) संवर–प्राणातिपात आदि पन्द्रह आश्रव योगाश्रव के भेद हैं, तो फिर प्राणातिपात विरमण आदि पन्द्रह संवर विरति संवर के भेद क्यों हैं? अथवा समिति के भेदों का उल्लेख करते हुए बताऐं कि क्या समिति संवर हैं?

अवबोध :– 30

प्र.4 किन्ही छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द अथवा एक या दो लाईन में लिखें – 6

(क) निदान कृत व्यक्ति को चारित्र आ सकता है? (ख) सग्रह दान व कारुण्य दान किसे कहते हैं? (ग) क्या क्षायक सम्यक्त्वी उपशम श्रेणी पर चढ़ सकता हैं?

(घ) ज्ञान पांच हैं, अज्ञान तीन, ऐसा क्यों? (ङ) क्या ज्ञान की उपलब्धि क्षयोपशम से होती हैं? (च) क्या नारक जीवों के सम्यक्त्व होती है?

(छ) अनन्त कायिक जीव किस राशि के अन्तर्गत आते हैं? (ज) अकर्म भूमि के मनुष्य मर कर कहां जाते हैं?

Scanned by CamScanner

प्र.5 किन्ही छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें – 12

(क) तिर्यंच श्रावक बारहव्रती होते हैं? (ख) क्या सम्यक्त्व चारों गतियों में प्राप्त हो सकती हैं? (ग) अन्य योनियों के जीव एक मुहुर्त्त में कितने जन्म–मरण कर सकते हैं? (घ) क्या कर्म भूमि क्षेत्रों में राजा प्रजा की व्यवस्था सदैव रहती हैं?

(ङ) ब्रह्मचर्य को तप क्यों कहा हैं? (च) श्रुतज्ञान व मनःपर्यवज्ञान के दर्शन क्यों नहीं? (छ) चारित्र की अल्पाबहुत्व का क्या क्रम हैं?

(ज) नौ दान लौकिक हैं, तो अधर्म दान का पृथक उल्लेख कैसे हुआ?

प्र.6 किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखें – 12

(क) चारित्र कौन से क्षेत्र में होता है तथा चारित्र में श्रुत ज्ञान कितना हो सकता हैं?

(ख) छप्पन अर्न्तद्वीप कहां हैं? (घ) अवधिज्ञान का क्षेत्र कितना हैं?

(ग) सम्यक्त्वी में चारित्र व शरीर कितने हैं?

श्रावक – संबोध – 20

प्र.7 कोई चार पद्य लिखें – 12

(क) जिस पद्य में सम्यक् दर्शन के लक्षण वर्णित हैं, वह पद्य लिखें।

(ख) जिस पद्य में श्रमणोपासक मद्दुक की प्रशंसा का वर्णन है, वह पद्य लिखें।

(ग) श्रावक के मनोरथों का जिसमें वर्णन है, वह पद्य लिखें।

(घ) सम्यक दर्शन की उपलब्धि होने पर जब अज्ञान भी ज्ञान में परिवर्तित हो जाता है, उसे पद्य का रुप दें।

(ङ) जिसमें भावनारुपी नौका से संसार सागर को पार करने का वर्णन वर्णित हैं, वह पद्य लिखें –

(च) पंचास्तिकाय का वर्णन–जो जड़ व चेतन के लिए उपयोगी हैं, वह पद्य लिखें –

प्र.8 किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में दें – 8

(क) तत्प्रतिरुपक व्यवहार–यह किस व्रत के अंतर्गत आता है, और इस शब्द का क्या अर्थ हैं?

(ख) विलय की तीन अवस्थाएं कौन सी हैं और उनसे क्या प्राप्त होता हैं?

(ग) श्रावक जो ग्यारह प्रतिमाओं को धारण करते हैं, उसमें प्रतिमा का क्या अर्थ है तथा इनका वर्णन किन आगमों में उपलब्ध हैं?

(घ) बचें अनावश्यक हिंसा से– इस पद्य में जो हिंसा के अल्पीकरण के प्रयोग बताए गए हैं उन्हे वर्णित करें।

(ङ) आगार धर्म का पालन करने वाले व्यक्ति के लिए शास्त्रों में कौन से चार शब्द प्रयुक्त हुए हैं? तथा वह किस कारण से उपासक कहलाता हैं?

(च) श्रमणोपासक की श्रेणी किसके द्वारा निरुपित हैं? तथा इसका आधुनिकतम संस्करण क्या हैं?

Scanned by CamScanner

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्वज्ञान (वर्ष-2018)

पंचम वर्ष -द्वितीय प्रश्न पत्र

नवपदार्थः निर्जरा, बंध और मोक्ष-50

समय:3 घंटा — दिनांक-30.08.2018

पूर्णांक-100

प्र01 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें- 16

(निर्जरा- किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें-)

(क) लब्धि वीर्य व करण वीर्य को परिभाषित करें।

(ख) विकृति किसे कहते हैं?

(ग) शुक्ल ध्यान के लक्षण अर्थ सहित लिखें।

(घ) उपनीत- अपनीत चरक किसे कहते हैं?

(ड) एक दत्ति अभिग्रह किसे कहते हैं?

(च) सात एषणाओं में "उद्‌घृता" का क्या तात्पर्य है?

(बंध- किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें-)

(छ) आठ कर्मो के अनंत पुद्‌गल प्रदेशों की संख्या संसार के अभव्य जीवों व सिद्धों की अपेक्षा से कितनी है?

(ज) वेदनीय कर्म की स्थिति कम होने पर भी उसके हिस्से में कर्मदल सबसे अधिक क्यों आते है?

(झ) किन उत्तर प्रकृतियों का परस्पर संक्रमण नहीं होता है?

(मोक्ष- किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें-)

(ञ) निरूपग्रहता का क्या तात्पर्य है?

(ट) क्या सिद्ध सिद्ध शिला पर रहते हैं?

(ठ) कर्म रहित जीव के गति कैसे मानी गई है?

प्र02 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें- 10

(क) निर्जरा-दर्शन विनय किसे कहते हैं? उसके प्रकारों में सुश्रूषा विनय के प्रकार अर्थ सहित लिखें- <u>अथवा</u> आत्मशुद्धि हेतु किए गए तप से कर्मो का क्षय किस प्रकार होता है?

(ख) बंध और मोक्ष- कर्म जीव को किस प्रकार पराधीन बना देता है <u>अथवा</u> सम्यक् ज्ञान-दर्शन-चारित्र व तप से सिद्धि कम किस प्रकार बनता है?

प्र03 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें- 24

(क) निर्जरा-मोहनीय कर्म के क्षयोपशम से कौन से आठ विशेष बोल उत्पन्न

Scanned by CamScanner

होते हैं? वर्णन करें। अथवा तप को अभ्युदय व कर्म क्षय दोनों का हेतु किस प्रकार कहा गया है?

(ख) बंध और मोक्ष– प्रदेश बंध का विवेचन करें अथवा कर्मो के सम्पूर्ण क्षय की प्रक्रिया लिखें।

(अवबोध तपधर्म से बंध व विविध तक–30)

प्र04 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्य में लिखें– 18

(क) चार भाव कहां होते हैं?

(ख) क्या अशुभ कर्म के फल को रोका जा सकता है?

(ग) उपशम भाव कर्म की अवस्था मात्र है, उसे संवर कैसे माना गया?

(घ) क्या शुभ–अशुभ कर्म का बंध युगपत् होता है?

(ड) आत्म प्रदेश अधिक हैं या कर्म प्रदेश?

(च) जीव के कितने क्रियाऐं होती हैं?

(छ) क्या फल प्राप्ति में द्रव्य, क्षेत्र, काल आदि की कोई भूमिका है?

(ज) दर्शनावरणीय कर्म की प्रकृति सत्यानर्द्धि का क्या अर्थ है?

(झ) सन्निपातिक भाव कैसे निष्पन्न होता है?

(ञ) प्रतिसंलीनता किसे कहते हैं? उसके कितने प्रकार हैं?

(ट) एक भाव कहां होता हैं?

प्र05 कोई दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए– 12

(क) अंतराल गति में स्थूल शरीर व स्थूल योग नहीं रहता, फिर कर्म बंध कैसे व किसके होता है, व कार्मण शरीर का संबंध आत्मा के साथ अनादिकाल से है, अनादिकाल से संबंधित इस शरीर का अलगाव कैसे होगा?

(ख) भवोपग्राही कर्म किसे कहते हैं? एक कर्म की वर्गणा अधिकतम कितने भव तक भोगी जा सकती है?

(ग) कर्म वर्गणा का बंध होता है, वे एक कर्म से संबंधित होती हैं, या आठों कर्मो से तथा बंधने वाली कर्म वर्गणाएं क्या आठों कर्मो में समान रूप से विभक्त होती है या न्यूनधिक?

(घ) वीतराग कौन होता है, क्या वीतराग के कर्म बंध होता है?

श्रावक संबोध–20

प्र06 कोई चार पद्य पूरा करें– 12

(क) उस दिन उपवास.....................रही रहे। इस पद्य को पूरा करें।

(ख) शिष्टता संयम........................ भरते ही रहें। इस पद्य को पूरा करें।

(ग) जैन संस्कृति का एक अनुष्ठान– रात्रि भोजन विरमण। वाला पद्य पूरा करें।

(घ) जिस पद्य में बांदर दुलह की दक्षता सब के लिए अनुकरणीय है, वो पद्य

Scanned by CamScanner

पूरा करें।

(ड) संयुक्त परिवार प्रथा में जो टूट–फूट हो गई है, उसमें किस प्रकार परिवर्तन कर यहां संस्कार उपलब्ध हो, इन भावों से रचित पद्य को पूरा करें।

(च) गौतम अपनी भूल को जानते ही उसका परिशोधन करने आनंद के पास आते .हैं– वो पद्य पूरा करें।

प्र07 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें। 8

(क) संबोध पुस्तक में कौन से तीन ग्रन्थ हैं और वे कौन सा प्रशिक्षण देने वाले हैं?

(ख) जैनतत्त्व विद्या का विशेषज्ञ बनने के लिए कौन सी त्रिपदी का गंभीर ज्ञान आवश्यक है।

(ग) प्रतिदिन निश्चित रूप से करणीय कौन से आध्यात्मिक कार्यो का समावेश ध्रुवयोग में होता है?

(घ) कौन सी अनुप्रेक्षाओं के प्रयोग से संस्कार परिवर्तन का काम आसानी से हो सकता है।

(ड) जैन पंचाग के अनुसार संवत्सर का प्रांरभ कब होता है? संवत्सर का क्या अर्थ है?

(च) श्रावक के गुणात्मक विशेषणों में से धर्मप्रलोकी व सुव्रत का तात्पर्य क्या है?

Scanned by CamScanner